लोक सभा
अतारांकित प्रश्न सं. 965
07 फरवरी, 2020 को उत्तर दिए जाने के लिए

प्रधानमंत्री समर्थ योजना

965. श्री प्रदीप कुमार सिंहः
श्री नारणभाई काछड़ियाः
श्रीमती गीताबेन वी. राठवाः
श्री परबतभाई सवाभाई पटेलः
श्री जसवंतसिंह सुमनभाई भाभोरः

क्या वस्त्र मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे किः

(क) क्या लोग प्रधान मंत्री समर्थ योजना का लाभ ले रहे हैं;

(ख) यदि हां, तो इस योजना के अंतर्गत अब तक कितने लोगों को प्रशिक्षण प्रदान किया गया है और भविष्य में कितने लोगों को प्रशिक्षण देने का विचार है; और

(ग) क्या सरकार ने कौशल प्रशिक्षण के पश्चात् स्वरोजगार के अवसर बढ़ाने हेतु ऋण प्राप्त करने का प्रावधान किया है?

उत्तर
वस्त्र मंत्री
(श्रीमती स्मृति ज़ूबिन इरानी)

(क) से (ग): वस्त्र क्षेत्र के लिए मजबूत मानव संसाधन का सृजन करने के उद्देश्य से विशेष रूप से वस्त्र क्षेत्र के सभी क्षेत्रों में प्रशिक्षित और कुशल कार्यबल की आवश्यकता को देखते हुए वस्त्र मंत्रालय वित्त वर्ष 2010-11 से विभिन्न कौशल विकास योजनाओ और कार्यक्रमों का कार्यान्वयन कर रहा है।

व्यापक एकीकृत कौशल विकास योजना (आईएसडीएस) के अंतर्गत वस्त्र क्षेत्रों के विभिन्न विविध क्षेत्रों, जिनमें वस्त्र और अपैरल, पटसन, कताई, बुनाई, तकनीकी वस्त्र, रेशम उत्पादन, हथकरघा और हस्तशिल्प शामिल है, में वित्त वर्ष 2010-11 से 2017-18 के दौरान कुल 11.14 लाख व्यक्तियों को प्रशिक्षित किया गया है। आईएसडीएस के प्रशिक्षण में देश के 33 राज्यों और संघ राज्य क्षेत्रों को भी शामिल किया गया है जिसमें विस्तृत रूप से समाज के सभी वर्गों जैसे महिला (71.27%), अनुसूचित जाति (20.82%), अनुसूचित जनजाति (6.9%) और दिव्यांगजन (0.28%) को कवर किया गया है। प्रशिक्षित 11.14 लाख व्यक्तियों में से 8.43 लाख व्यक्तियों को रोजगार प्राप्त हुआ है।

इसको जारी रखते हुए, वस्त्र मंत्रालय ने 1300 करोड़ रुपए के कुल परिव्यय पर 10 लाख व्यक्तियों के लक्ष्य सहित वस्त्र क्षेत्र की संपूर्ण मूल्य श्रृंखला के लिए (संगठित क्षेत्र में स्पिनिंग और वीविंग को छोड़कर जिसके लिए प्रधानमंत्री कौशल विकास योजना के अधीन प्रशिक्षण दिया जा रहा है) समर्थ-वस्त्र क्षेत्र में क्षमता निर्माण योजना नामक कौशल विकास कार्यक्रम की शुरूआत की है। प्रशिक्षण कार्यक्रम और पाठ्यक्रम को प्रौद्योगिकी तथा घरेलू और अंतरराष्ट्रीय अर्थव्यवस्थाओं की बाजार मांग स्थिति को ध्यान में रखते हुए युक्तिसंगत बनाया गया है। वस्त्र मंत्रालय ने पहले ही प्रवेश स्तर के प्रशिक्षण तथा परंपरागत और वस्त्र मूल्य श्रृंखला के संगठित क्षेत्र दोनों में रोजगार सृजन के लिए लगभग 4 लाख व्यक्तियों को शामिल करते हुए 18 राज्यों और क्षेत्रीय संगठनों से 21 सरकारी एजेंसियों के साथ साझेदारी की है।

इसके अलावा, प्रवेश स्तर पर प्रशिक्षण शुरू करने के लिए उद्योग/उद्योग संघों को एक लाख व्यक्तियों से अधिक के प्रशिक्षण लक्ष्य आबंटित किए गए हैं। वैश्विक बाजार में उद्योग की प्रतिस्पर्धात्मकता बढ़ाने के लिए अपैरल और गारमेंटिंग क्षेत्र में कौशल उन्नयन पर विशेष जोर दिया गया है। समर्थ योजना के दिशानिर्देशों के अनुसार, कार्यान्वयन साझेदारों को उम्मीदवारों हेतु स्वरोजगार के लिए प्रधानमंत्री मुद्रा योजना के तहत रियायती ऋण उपलब्ध कराने के लिए सुविधा प्रदान करना अपेक्षित है।

***